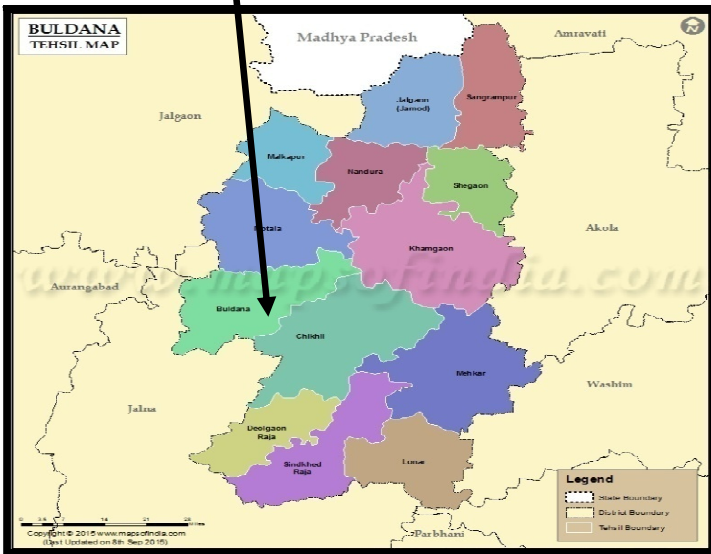
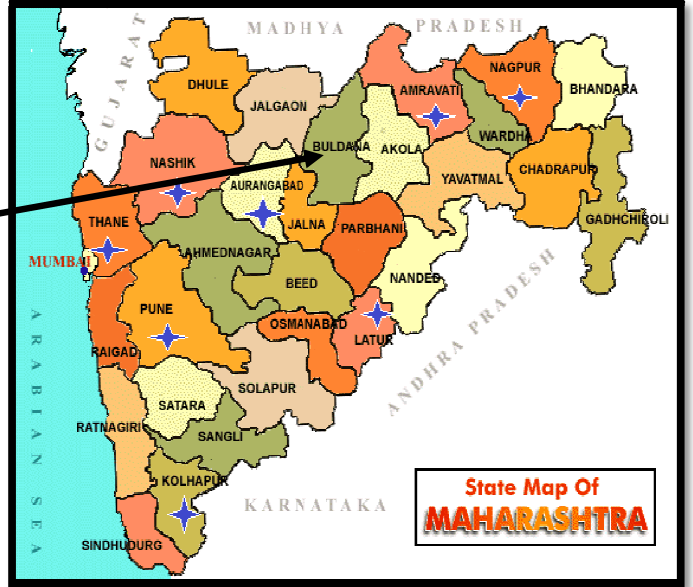
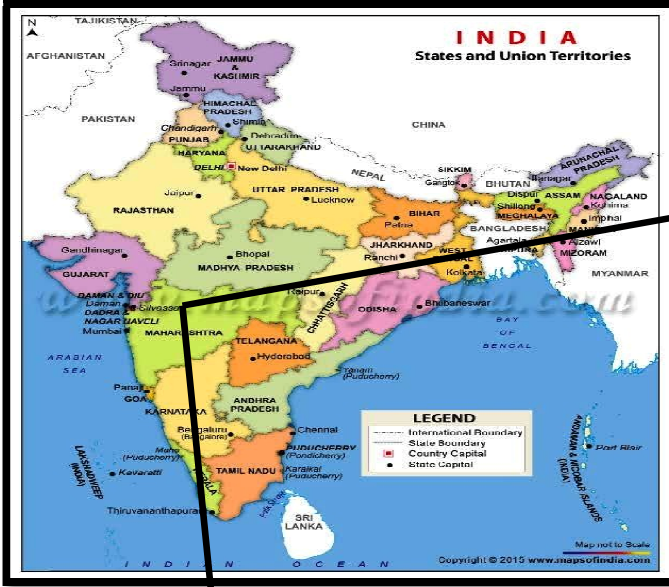


**बुलढाणा जिल्हा, १७ जिल्हास्तरीय वाळूच्या ठिकाणांसाठी जनसुनावणी
कार्यकारी सारांश (मराठी)**

परिचय :

- ❖ बुलढाणा जिल्ह्यातील बुलढाणा, देऊळगावराजा, सिंदखेडराजा, लोणार, नांदुरा, जळगावजामोद आणि शेगाव तालुक्यात असलेल्या १७ वाळूच्या ठिकाणांसाठी पर्यावरण मंजूरी मागितली आहे.
- ❖ महाराष्ट्र शासनाचे पत्र क्रमांक: संकिरण- 2019/P.K.01/Ta.K.3 दिनांक 3 डिसेंबर 2019 नुसार, 5 हेक्टरपेक्षा कमी खाणींसाठी जनसुनावणी घेणे आवश्यक आहे.
- ❖ मे. जिल्हा खनिकर्म कार्यालय, बुलढाणा, महाराष्ट्र (महाराष्ट्र शासन)
 - ❖ Form-1M, PFR, EMP, RA, DSR मधील अर्ज, वाळूच्या ठिकाणांसाठी मंजूर खाण योजनांसह पर्यावरणीय मंजूरीसाठी सार्वजनिक सुनावणीच्या कार्यवाहीसह सादर केले जातील.

स्थान नकाशा



वाळच्या ठिकाणांची यादी

बुलडाणा जिल्हा :- वाळू / रेती ई लिलाव सन २०२२-२०२३

तहसिलदारांकडून प्राप्त प्रस्तावांचे अनुषंगाने तालुकास्तरीय तांत्रिक उपसमितीने संयुक्त सर्वेक्षण केल्यानंतर योग्य अभिप्राय दिलेल्या रेतीघाटाबाबतचे विवरण

| अ. क्र. | तालुका | ग्रामपंचायतीचे नांव | रेतीघाटाचे नांव | नदीचे नांव | तांत्रिक समितीने योग्य विलेले रेतीघाट | रेतीघाटाचे क्षेत्र (चौ.मी.) | | | रेतीघाटाचे क्षेत्र (हे.आर) (लांबी X रुंदी) | सन २०२२-२३ साठी अंदाजे रेती साठा (ग्राम) (लांबी X रुंदी X खोली / २.८३) | तांत्रिक उपसमितीचा अभिप्राय योग्य / अयोग्य | |
|---------|--------------|----------------------------|----------------------------|------------|---|-----------------------------|-------|---------------------|--|--|--|--|
| | | | | | | लांबी | रुंदी | GSDA ने दिलेली खोली | | | | |
| १ | २ | ३ | ४ | ५ | ६ | ७ | ८ | ९ | १० | ११ | १२ | |
| १ | देऊळगांवराजा | नारायणखेड व निमगांव गुरु | नारायणखेड व निमगांव गुरु | खडकपुर्णा | नारायणखेड- ३२,३६ ते ४२,१६९ ते १७२,१८४ ते १८८, निमगांव गुरु- ३९ ते ४५,५० ते ५२, | ४६० | ५० | १.०० | २.३० | ८९२७ | योग्य | |
| २ | देऊळगांवराजा | निमगांव गुरु व देऊळगांवमहि | निमगांव गुरु व देऊळगांवमहि | खडकपुर्णा | निमगांव गुरु- ३०७ ते २९५,३३३ ते ३३७, देऊळगांवमहि भाग-२- १९९ ते १९४,१३७,१३८, | ७०० | ५० | ०.८० | ३.५० | ९८९४ | योग्य | |
| एकुण | | | | | | | | | | | १८०२९ | |
| ३ | सिंदखेडराजा | निमगांव वायाळ | निमगांव वायाळ | खडकपुर्णा | निमगांव वायाळ-२२३,२२४, २३३ ते २३८,२४७,२४८ व २५०, | ४०० | ४० | २.१० | १.६० | ११८७३ | योग्य | |
| ४ | सिंदखेडराजा | हिवरखेडपुर्णा | हिवरखेडपुर्णा | खडकपुर्णा | हिवरखेड पुर्णा- २६२ ते २६४,२७० ते २८१, | ४०० | ६० | २.०० | २.४० | १६९६१ | योग्य | |
| ५ | सिंदखेडराजा | राहेरी खुर्द | राहेरी खुर्द | खडकपुर्णा | राहेरी खुर्द- १०, १९३,१९२,१९०,१८९, | ३०० | ६० | २.०० | १.८० | १२७२१ | योग्य | |
| एकुण | | | | | | | | | | | ४१५५५ | |
| ६ | ज्योणार | सावरगांवतेली, चांगोफळ | सावरगांवतेली, चांगोफळ | खडकपुर्णा | चांगोफळ-१३५,१३६,१३१ ते १३३,१२८, १२५,१३३,१२, सावरगांवतेली-६९, ७२,७३,७५,७८,७९,८५, ८८ ते ९१, | ५०० | ४० | ०.५० | २.०० | ३५३४ | योग्य | |
| ७ | ज्योणार | सावरगांवतेली | सावरगांवतेली अ | खडकपुर्णा | ५७,४७,४६,४५,४३,४२, | ५०० | ३५ | १.०० | १.७५ | ६१८४ | योग्य | |
| एकुण | | | | | | | | | | | १७९८ | |

| | | | | | | | | | | | |
|------|-------------|---------------|---------------|--------|--|-----|----|------|------|------|--------|
| ८ | नांदुरा | भोटा | भोटा | पुर्णा | १८४ ते १९१, | ६०० | ३० | ०.८० | १.८० | ५०८८ | योग्य |
| ९ | नांदुरा | हिंगणाभोटा | रोटी-अ | पुर्णा | १,२,३, ४, | ७५० | २० | ०.६० | १.५० | ३१८० | योग्य |
| १० | नांदुरा | हिंगणाभोटा | रोटी-ब | पुर्णा | १२४ ते १२८, | ६०० | २० | ०.६० | १.२० | २५४४ | योग्य |
| ११ | नांदुरा | येरळी | येरळी | पुर्णा | २० ते २६, | ६०० | ३० | ०.५० | १.८० | ३१८० | योग्य |
| एकुण | | | | | | | | | | | |
| १२ | जळगांवजामोद | मानेगांव | मानेगांव | पुर्णा | ३६,३५९,३५७,३५५, | ६०० | ३० | ०.६० | १.८० | ३८१६ | योग्य |
| १३ | जळगांवजामोद | दादुलगांव | दादुलगांव | पुर्णा | १३५,१३८ ते १४४, | ५७५ | ३० | ०.६० | १.७२ | ३६५७ | योग्य |
| १४ | जळगांवजामोद | हिंगणाबाळापूर | हिंगणाबाळापूर | पुर्णा | २९,२८,२३ ते २५,३, | ५५० | ३० | ०.६५ | १.६५ | ३७९० | योग्य |
| १५ | जळगांवजामोद | गोळेगांव बु. | गोळेगांव बु. | पुर्णा | ११,१९ ते २२,२५,२७, | ४५० | ३० | ०.९० | १.३५ | ४२९३ | योग्य |
| १६ | जळगांवजामोद | भेडवळबु. | भेडवळबु. | पुर्णा | ३२४ ते ३२६,३११, | ५१८ | ३० | ०.७० | १.५५ | ३८४४ | योग्य |
| एकुण | | | | | | | | | | | |
| १७ | शेगांव | भोनगांव | भोनगांव | पुर्णा | १, ४ ते १०, ५५३,५६२,५८५,५९०, ५९४,५९९,६०४,६०६ | ८९० | १५ | ०.१५ | १.३४ | ७०८ | योग्य |
| एकुण | | | | | | | | | | | |
| एकुण | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | १०३३९४ |

जिल्हा खनिकर्म अधिकारी

१. खाणकाम पद्धती

२. खाणकामाची पद्धत: ड्रिलिंग आणि ब्लास्टिंगशिवाय ओपनकास्ट मॅन्युअल पद्धत. कुदळ, घमेला यासारख्या हाताच्या साधनांसह केवळ अंगमेहनतीचा वापर केला जाईल. कोरड्या नदीपात्रातूनच वाळूचे उत्खनन केले जाते.

रेती घाटातील रेतीचा अंदाज घेण्यासाठी पुढील प्रक्रिया अवलंबली जाते.

- ❖ रेती घाटाचे सीमांकन आणि बेंचमार्किंग 10m x 10m अंतराने केले जाते.
 - ❖ प्रत्येक ग्रीडमधील वाळूची खोली शोधण्यासाठी ऑजर ड्रिलरचा वापर केला जातो.
 - ❖ 10 mx10m ग्रिड पॅटर्नचा वापर करून रेती घाटातील छिद्रे तयार करण्यासाठी auger driller चा वापर केला जातो.
 - ❖ मापन टेप वापरून छिद्रांची खोली मोजली जाते.
 - ❖ सर्व रीडिंग घेतल्यानंतर नदीच्या रेती घाटाची सरासरी खोली मीटरमध्ये मोजली जाते.
3. आवश्यक यंत्रसामग्री / उपकरणे: हुकुम, घमेला, ट्रॉलीसह ट्रॅक्टर.
4. वाहतूक: ट्रॅक्टर ट्रॉलीद्वारे वाळूच्या ठिकाणापासून स्टॉकयार्ड आणि ग्राहकांपर्यंत.
5. पुनर्वसन: खनन केलेले क्षेत्र पावसाळ्यानंतर आपोआप भरले जाईल. नदीकाठच्या बाजूने आणि वाहतूक रस्त्यालगत वृक्षारोपण करण्यात येणार आहे.

6. पर्यावरण व्यवस्थापन योजना

- ❖ वाळू वाहतुकीसाठी वापरल्या जाणाऱ्या कच्च्या रस्त्यावर वेळोवेळी पाणी शिंपडणे.
- ❖ ट्रॅक्टर ट्रॉली, ताडपत्रीने झाकलेल्या ट्रकद्वारे वाळूची वाहतूक.
- ❖ वाहतुकीदरम्यान रेतीची गळती योग्य प्रकारे अंतर सील करून रोखली जाईल.
- ❖ वृक्षारोपण नदीकाठी आणि वाळूच्या ठिकाणांजवळील मोकळ्या जागेवर केले जाईल.

2. आवाज नियंत्रण उपाय

- ❖ खाणकाम आणि वाळू वाहतूक फक्त दिवसाच केली जाईल.
- ❖ वाळू वाहतुकीमुळे होणारा आवाज अपेक्षित आहे, आवाज कमी करण्यासाठी वाळू वाहतूक करणाऱ्या वाहनांची वेळोवेळी देखभाल केली जाईल.
- ❖ वाळू वाहतूक करणाऱ्या वाहनांचा वेग नियंत्रित केला जाईल.

3. जल प्रदूषण नियंत्रण उपाय

- ❖ वाळू उत्खनन कोरड्या नदीपात्रातच केले जाईल.
- ❖ खाणीच्या खड्ड्याची खोली नदीच्या पाण्याच्या पातळीच्या वर ठेवली जाईल.
- ❖ नदीचे प्रवाह निष्क्रिय वाहिन्या बनवण्यासाठी वळवले जाणार नाहीत.
- ❖ नदीत वाहने धुण्यास मनाई असेल.
- ❖ खाणकामातून कोणतेही सांडपाणी निर्माण होणार नाही.
- ❖ कामगारांसाठी फिरती शौचालयांची तरतूद
- ❖ पावसाळ्यात खाणकाम टाळले जाईल आणि पुरामुळे वाळूचा साठा पुन्हा भरून निघेल.

4. जमीन पर्यावरण

- ❖ वाळू उत्खननामुळे कोरड्या नदीपात्रात तात्पुरते खड्डे निर्माण होतील, जे पावसाळ्यात पुन्हा भरले जातील.
- ❖ सुरक्षितता अंतर 3 मीटर किंवा नदीच्या रुंदीच्या 1/10 वा, यापैकी जे जास्त असेल ते नदीच्या काठाच्या दोन्ही बाजूंनी सोडले जाईल ("शाश्वत वाळू उत्खनन मार्गदर्शक तत्वांनुसार").
- ❖ पॉलिथिन पिशव्या, ज्यूटच्या पिशव्या इत्यादी टाकाऊ पदार्थ नदीपात्रात राहू/सांडू दिले जाणार नाहीत.
- ❖ खाणकाम परवानगी उत्खनन क्षमतेपेक्षा जास्त होणार नाही.

❖ वृक्षारोपण नदीकाठी आणि जवळपासच्या मोकळ्या जागांवर विकसित केले जाईल.

5. हरित पट्टा विकास योजना

| | |
|-------------------------------|---|
| ग्रीनबेल्टचे स्थान | लीज हद्दीच्या दोन्ही बाजूंच्या काठावर आणि नदीपात्राबाहेर हाऊल रोड |
| लागवड करायच्या रोपांची संख्या | ५००-११५५ रोपे प्रति हेक्टर |
| वनस्पतींचे अंतर | 3 मीटर ग्रिड अंतराल |
| प्रजाती निवडल्या | मूळ प्रजाती |

वृक्षारोपणासाठी शिफारस केलेल्या झाडांच्या प्रजाती

| वनस्पति नाव | स्थानिक नाव | महत्त्व |
|--------------------|-------------|---|
| Azadirachta Indica | Neem | Neem oil & neem products |
| Tectona Grandis | Teak | Antibacterial, Antifungal, Antiulcer |
| Ficus Religiosa | Peepal | Medicinal use, Fruits & figs |
| Bambusa Vulgaris | Bamboo | Anthelmintic Anti-inflammatory, Astringent Properties |
| Madhuca Longifolia | Mahua | Acts as a Stimulant & cough relief |

6. व्यावसायिक आरोग्य सुरक्षा व्यवस्थापन

- ❖ खाण चालकांना वैयक्तिक संरक्षणात्मक उपकरणे पुरवली जातील.
- ❖ सुरक्षा हेल्मेट आणि पादत्राणे, कान, डोळे आणि हात संरक्षण उपकरणांव्यतिरिक्त
- ❖ कामगारांसाठी डस्ट मास्क दिले जातील.
- ❖ खाण कामगारांसाठी पिण्याच्या पाण्याचा निवारा दिला जाईल
- ❖ खाणीच्या ठिकाणी प्रथमोपचार किट प्रदान केले जाईल.

7. निष्कर्ष

- ❖ बुलढाणा जिल्ह्यातील बुलढाणा तालुक्यात, देऊळगावराजा, सिंदखेडराजा, लोणार, नांदुरा, जळगावजामोद आणि शेगाव महाराष्ट्रातील 5 हेक्टर पेक्षा कमी भाडेतत्वावर असलेले 20 वाळूचे ठिकाण लागू केले आहेत, MoEF आणि CC मार्गदर्शक तत्वांनुसार B2 श्रेणीत येतात.
- ❖ खाणकामाच्या छोट्या प्रमाणामुळे खाणींचा पर्यावरणावर लक्षणीय परिणाम होण्याची शक्यता नाही आणि ते जवळपासच्या समुदायासाठी फायदेशीर ठरतील.
- ❖ प्रस्तावित प्रकल्पामुळे स्थानिक रहिवाशांना अप्रत्यक्ष रोजगाराच्या संधी उपलब्ध होतील.
- ❖ प्रस्तावित प्रकल्प सामाजिक पायाभूत सुविधा आणि क्षेत्राच्या सर्वांगीण विकासासाठी देखील सकारात्मक योगदान देईल.
- ❖ हवा, पाणी, आवाज, माती, घनकचरा व्यवस्थापन इत्यादी सर्व पर्यावरणीय समस्यांवर MoEF आणि CC मार्गदर्शक तत्वांनुसार हाताळले जाईल.